



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

८२

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 139]

नई दिल्ली, वृहस्पतिवार, जुलाई 11, 1991/आषाढ़ 20, 1913

No. 139] NEW DELHI, THURSDAY, JULY 11, 1991/ASADHA 20, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकालन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(मायात अधिकार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 176 आईटीसी (पीएन)/90-93

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 1991

विषय:- तमिलनाडु विद्युत बोर्ड की भवानी कट्टालाई बैरेज हाईड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना (1) के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (पी.एसी.एफ.) द्वारा विस्तारित 5.410 विलियन येन के लिए 27-3-90 के येन क्रेडिट अण संबंध आईटीपी-64 के अंतर्गत उपस्कर और सेवाओं के आयात के सम्बन्ध में लाइसेंसिंग शर्तें।

फाइल मं. आईटीसी/23(73)/90-93—तमिलनाडु विद्युत बोर्ड की भवानी कट्टालाई बैरेज हाईड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना (1) के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (पी.एसी.एफ.) द्वारा विस्तारित 5.410 विलियन येन के लिए येन क्रेडिट अण के अंतर्गत उपस्कर और सेवाओं के आयात पर लागू होने वाली लाइसेंसिंग शर्तें इस सार्वजनिक सूचना के परिणाम में दी गई हैं जिन्हें सूचनार्थ अधिसूचित किया जाता है।

डी.एन. भेदा, मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 176 आईटीसी (पीएन)/90-93, दिनांक 11-7-91 का परिणाम।

तमिलनाडु विद्युत बोर्ड की भवानी कट्टालाई बैरेज हाईड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना (1) के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (पी.एसी.एफ.) द्वारा विस्तारित 5.410 विलियन येन के लिए 27-3-90 के येन क्रेडिट अण संबंध आईटीपी-64 के अंतर्गत उपस्कर और सेवाओं के आयात के सम्बन्ध में लाइसेंसिंग शर्तें।

खण्ड-1: सामान्य शर्तें

1.(1) तमिलनाडु विद्युत बोर्ड की भवानी कट्टालाई बैरेज हाईड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना (1) की आयात आवश्यकता के वित्तवान के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (पी.एसी.एफ.) द्वारा प्रदान किए गए 5.410 विलियन येन का अण जापान और विकासशील देशों, जिनमें भारत भी हैं सीढ़ी के सभी सदस्य देश शामिल हैं, के लिए आवाहन है। तदनुसार, इस क्रेडिट के प्रधीन अधिकार की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान और अनुबन्ध-1 की सूची में उद्दृत सभी देशों से आयात की जा सकती हैं। ये देश इस अण के मंत्रमंत्र पात्र स्वीकृत देश हैं।

1(2) क्रेडिट के अधीन केवल उसी भर्ती की अधिकारी किए जा सकते हैं जिनके लिए भारतीय वित्तीय विभाग द्वारा विशेष रूप से विकासी कर दी गई है। इस क्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस का मूल्य 5,951 विविध योग (लागत बीमा भाड़ा) से अधिक नहीं होता चाहिए।

आयात लाइसेंस का रूपमें मूल्य राष्ट्रस्व विभाग (सीमांतर) द्वारा प्रदिव्याधित विनियम द्वारा और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रदत्त वर्ष और मूल्य नियमित आयात-नियमित द्वारा जारी की गई आवृत्ति-जनिक सूचना सं. 78-काईटीपी(पीएम)/74, विनांक 6 जून 1974 के पंरा 2 के अनुसार आयात लाइसेंस में मानकिक दर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख हो कि सीमांतर का अधिकारी और विवेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (सों) में विनियमित मुद्रा विनियम द्वारा पर मूल्य को लाइसेंस मूल्य के बासे ढालिएगा। लाइसेंस पर एक गीर्वक “आयाती वेन ज्ञन सं. आईटी-पी-64” होगा। प्रथम और द्वितीय प्रयत्न के लिए लाइसेंस में “एस जैसी” कोड होगा। वह कोड तमिलनाडु विद्युत बोर्ड की आयात लाइसेंस जैसे समय मूल्य नियमित, आयात-नियमित के पंत्र में भी भूद्याया जाएगा जिसकी एक प्रति वित्त-वित्तालय प्राधिक कार्य विभाग (आयात अनुभाग) को पृष्ठांकित की जारी चाहिए।

1(3) तमिलनाडु विद्युत बोर्ड के पंत्र में आयात लाइसेंस केवल टीएनटी के पाल में लागत बीमा भाड़ा के आधार पर जारी किए जा सकते हैं।

1(4) आयातक की मुद्रिता पर निर्भर करते हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस इस क्रेडिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन, युस मूल्य 5,951 विविध योग (लागत बीमा भाड़ा) योग से अधिक नहीं होता चाहिए, जैसा कि अपर पंत्र (2) में कहा गया है।

1(5) आयात लाइसेंस की वैधता में आयातक द्वारा अधिदेश करने पर 12 महीनों की और आगे की अवधि के लिए बुद्धि दी जा सकती है। आगे और बुद्धि करने के लिए नया आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे अधिक कार्य विभाग (आयात अनुभाग) की सेवा जाता चाहिए।

1(6) क्रेडिट के अधीन वित्तनान किए जाने वाले आयात/आयात लाइसेंस विधिकारी द्वारा विधिवत सत्यापित संस्करण भाल और सेवाओं की सूची तक प्रतिवर्द्धित हैं।

1(7) विवेशी मुद्रा के किसी भी परेवण की अनुमति आयात/लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकृतों के कर्मचारिन के प्रति कोई भी भूतान भारतीय अधिकृतों को भारतीय रूपमें किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसे भूतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होने और लाइसेंस पर ही प्रदत्त विविध आयातों में देख होगा।

1(8) पंक्ते आवेश अनुबंध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विवेशी संभरकों की जाहीज पर्यन्त निःशुल्क लागत बीमा-भाड़ा/लागत और भाड़ा मूल्य के आधार पर दिए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर अधिक कार्य विभाग (आयात अनुभाग) की सेवा दिए जाने चाहिए। बीमा प्रधार का भूतान भारत में भारतीय रूपमें में देख होगा। “पंक्ते आवेशों” का अर्थ भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिए गए उन क्रय आवेशों से है जो विवेशी संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित हों या भारतीय आयातक और विवेशी संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित क्रय संविदा हो। विवेशी संभरकों द्वारा भारतीय अधिकृतों को दिए गए आवेश या ऐसे भारतीय अधिकृतों द्वारा पुष्टि-करण आवेश स्वीकार्य नहीं हैं।

1(9) भार महीनों की अवधि के भीतर टेकों की इस शर्त का तब तक अनुपोत्तन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि टेकों के पूर्ण दस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से भार महीने के भीतर वित्त संसाधन अधिक कार्य विभाग (आयात अनुभाग) की नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पंत्र (1) (8) में यक्ष उल्लिखित पंक्ते आवेश भार महीने

के भीतर दैव कारणों से नहीं दिए जा सकते हैं तो भार महीने के भीतर आवेश वर्षों नहीं दिए जा सकते इन कारणों का उल्लेख करते हुए लाइसेंस भारी की आयात लाइसेंस की संबद्ध लाइसेंस प्राधिकारी की प्रस्तुत कर देना चाहिए। आवेश देने की अवधि में बुद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पालता के आधारपर विचार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिए बुद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों की अधिक के लिए मांगी जाती है, तो ऐसे प्रस्ताव निरवाचन स्पष्ट से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय प्राधिक कार्य विभाग (आयात अनुभाग) नामं इताक नई विली की भेजे जाएंगे जो कि ऐसी बुद्धि के लिए प्रत्येक मामले की पालता के आधार पर विचार करते ही और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों की भेजेंगे। जिसको वे लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी बुद्धि प्राप्त करने बाना एक पंत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय प्राधिकारी आयात लाइसेंस के अधीन किए गए भारतीय टेकों की पूर्ण करने के सम्बन्ध में सावधान स्पष्टीकरण करने के लिए प्राधिकार पंत्र और तुल्य रूपया जमा करने आदि की स्थीकृति आदि की सुविधाओं की अनुमति देंगे।

1(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति से भार महीने के भीतर सभी भूतान पूर्ण कर देने चाहिए। माप के पोतलदान पर भूतान प्रस्ताव भूतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद आधार पर अर्थात् पोतलदान दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भूतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विवेशी संभरक से भारतीय आयातक को किसी भी किस्म की अण मुश्विदा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण की अवधि के लिए ठेके में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए:

“सावधान की प्राप्ति के बावधान में भार महीने परन्तु अधिक से अधिक के अंत तक पूर्ण किया जाना है।

पोतलदान के लिए अधिकी तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 31-10-1994 के बाद की न हो।

लग्ज-2—संभरक टेकों का समझीता करने समय ध्यान में रखी जाने वाली विवेशी वार्ता।

2(1) टेको का जहाज पर्यन्त निःशुल्क/सामान बीमा भाड़ा मूल्य योग में (योग की मिश्र के बिना) प्रसिद्धिकृत होना चाहिए और भारतीय अधिकृतों का कमीशन, यदि कोई हो, तो यह शामिल नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय रूपमें चुकाना चाहिए।

संविवा का मूल्य योग में (या भारतीय संभरकों के मामले में भारतीय रूपमें) प्रसिद्धिकृत होना चाहिए। यदि आवेश और संभरक द्वारा पुष्टिकरण आवेश केवल अंग्रेजी में होना चाहिए।

2(2) अण की रकम के बिल पोरियत किए जाने वाली सभी माल और सेवाओं की प्रधिप्राप्ति के अन्तर्गत प्रधिप्राप्ति के लिए मार्गदर्शक विस्तृतों के अनुमोदन के साथ की जाएगी।

(क) कम से कम 500 मिलियन योग के प्रमुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की प्रधिप्राप्ति के मामले में:

(1) यदि पूर्व अहंता सहित औपचारिक चुली असराईट्रीय प्रिविया से भिन्न प्रधिप्राप्ति कियाविधि अपनाने का प्रस्ताव है तो प्रधिप्राप्ति की पद्धति के अनुमोदन के लिए श्री.ई.सी.एफ. की आवेदन पत्र प्रस्तुत करके उससे पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा।

(2) नकल बोलीकार की नियंत्रण की नोटिस जारी करने से पहले श्री.सी.एफ. सहित नियंत्रण के अनुमोदन के लिए प्रधिप्राप्ति किया जाएगा। नियंत्रण

और योगी मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त प्रावेदन पत्र के साथ साथ निविदा वस्तावेज थो.ई.सी.एफ. को भी संदर्भ के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(क) 500 मिलियन येन से कम अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की प्रधिग्राहित के मामले में ठेके के नियम के लिए थो.ई.सी.एफ. के पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता नहीं है। लेकिन यदि थो.ई.सी. पुनरीक्षा का अनुरोध करते हों तो निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट आविष्कार करते होंगे।

(ग) परामर्शदाताओं के नियोजन के लिए परामर्शदाता थो.ई.सी.एफ. के मार्गदर्शी शिफ्टलों के अनुरूप रखते जाएंगे। लेकिन निम्ननिवित दस्तावेजों के लिए थो.ई.सी.एफ. की पुर्वानुमानित प्राप्त कर्त्ता होगी:—

(1) संदर्भ की गति।

(2) परामर्शदाताओं की संक्षिप्त सूची

(3) निमंत्रण पत्र

(4) संक्षिप्त मूल्यांकन जीट मतित मूल्यांकन रिपोर्ट।

(घ) आयातक उपर्युक्त क(1), क(2), (ख) और (ग) में उल्लिखित प्रावेदन पत्र दस्तावेज प्रार्थिक कार्य विभाग की दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा जो उसके द्वारा थो.ई.सी.एफ. को भेजे जाएंगे।

2(3) विदेशी संभरक को भुगतान, उनके नाम में बैंक आक इंडिया, टोकियो द्वारा 1989-90 के लिए थो.ई.सी.एफ. येन केंटिट (परियोजना सहायता) में, थो.ई.सी.पी-64 के घोषीन खोले गए अवृत्तिवर्तीय भाव-पत्र के माध्यम से किया जाना चाहिए। जिसका व्योरा नीचे लक्षण-7 में दिया गया है।

2(4) आयात लाइसेंस के प्रति कंबल एक ही संविदा की जानी चाहिए। लेकिन कुछ विशेष मामलों में एक से अधिक संविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है जिसके लिए आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से तुरन्त बाद वित्त संबंधान, प्रार्थिक कार्य विभाग (आपान अनुमान) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए।

2(5) संभरक की पालता: संभरक पाल स्रोत वेष्टों के राष्ट्रिक या पाल स्रोत वेष्टों में शामिल किए गए तथा पंजीकृत किए गए वैध व्यक्ति होने जिसके पास पाल स्रोत वेष्ट में माल तथा सेवा के उत्पादन या उन्हें प्रवाह करने की उपयोग सुविधा हो और जो वहाँ भास्तव में अपना कार्य व्यापार चलाते हों।

2(6) अपाल स्रोत वेष्टों से अनुमेय आयात: जिन बहुओं में अपाल स्रोत वेष्टों में बनी हुई सामग्री निहित है उनके लिए विस्तारान किया जा सकता है बल्कि कि निम्ननिवित मूल के अनुमान ऐसे उत्पाद की प्रति यूनिट का मूल्य मद्दार आवार पर आयानित भाग के 50 प्रतिशत से कम हो:—

आयातित भागत योगी भाका मूल्य + आयात शुल्क $\times 100$

संभरक का जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य

2(7) संविदा में बोलणा: प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा भाल एवं संभरक की पालता और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्ननिवित बोलणा जोगी जाएगी:—

“मेरे अधीक्षताधारी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरक के साथ साथ निविदा वस्तावेज थो.ई.सी.एफ. आवेदन वाला यानि..... (मन्त्रनिवित पाल स्रोत देश का नाम) में उत्पादित है।”

मेरी अधीक्षताधारी आगे बहु प्रमाणित करता हूँ कि वेरी पूरी जानकारी और विवाह के अनुसार पाल स्रोत वेष्टों से आयातित भाग निम्ननिवित मूल के अनुमान 50 प्रतिशत से कम है:—

आयातित भागत योगी-भाका मूल्य + आयात $\times 100$

संभरक का जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य

(जहाज एक फेटरी मूल्य नागू हो)

मेरी अधीक्षताधारी, एतद्वाय प्रमाणित करता हूँ कि (कम्पनी का नाम)..... (पाल स्रोत देश का नाम)..... (का नाम) उसके पास (पाल स्रोत देश का नाम) में माल तथा सेवा के उत्पादन या उन्हें प्रशान करने की उपयुक्त सुविधा है और वहाँ आवार पर अपना कार्य व्यापार चलाती है।

खण्ड—३ संभरण ठेके में निम्ननिवित समाविष्ट की जाने वाली गते

3(1) संभरण ठेके में निम्ननिवित प्रावधान विशेष कृत से समाविष्ट होने चाहिए।

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जपान की विदेशी अर्थिक महायोग निधि (ओईसीएफ) के बीच भवानी बैरेज कट्टलाला बैरेज हाईड्रोइनर्जीट्रिक परियोजना (1) के लिए यैन केंटिट सं. आई.डी-पी-64 (परियोजना सहायता) से संबंधित 27 मार्च, 1990 की हुए ऋण समझौते के अनुमान होनी चाहिए और यह भारत सरकार और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के अनुमोदन के अवधीन होगा।

(ख) संभरकों को भुगतान, भारत सरकार और जापान विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) के बीच येन केंटिट सं. आई.डी-पी-64 सं. संबंधित 27-३-९० को हुए ऋण समझौते के अन्तर्वर्त बैंक आक इंडिया, टोकियो द्वारा जारी किए जाने वाले अपरिवर्तीय साख पत्र के माध्यम से किए जाएंगे।

(ग) संभरकों को भुगतान और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होया जो एक और भारत सरकार द्वारा और बसरी और थो.ई.सी.एफ. द्वारा येन के अधीन अपेक्षित हो।

(घ) उपर्युक्त 2(7) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाण-बत्त (तीन प्रतिवेदन) में।

(ङ) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरक संविदा के संबंध में एक धारा होना चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्शी पर पोत परिवहन व्यवस्थान करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए यह भारतीय दूतावास, टोकियो को शामिल भाल की सपुर्वी के कार्यक्रम से अवगत कराएगा और पोतलदान से कम से कम 6 माहाह पूर्व भारतीय दूतावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। यिसी मामलों में, जहाँ भारतीय आयातक इश्कुक हो, सूचना की इस अवधि दो कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोतलदान के पश्चात् आवश्यक ब्योरे देते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो का भेजी जानी चाहिए।

खण्ड—४ : थो.ई.सी.एफ. द्वारा की पुर्वानी

4(1) लाइसेंसधारी को पक्के आवेदन देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर आयातक और विदेशी संभरकों द्वारा दिविष्ट, हस्ताक्षरित ठेके की बार प्रतिवेदनों तो विदेशी संभरकों द्वारा दिविष्ट में पुर्ट शावेश के साथ ही पा जानकी तर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतिवार्य संगत यैन आयात लाइसेंस की दो फोटो प्रतिवेदनों मध्यस्त और अनुबन्ध 2 ने प्रपत्र में “प्रधिकार

पत्र" जारी करने के लिए भावेदन की दो प्रतियां आधिक कार्यविभाग की भेजनी चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि ठेके की विषयवस्तु या उनकी कीमतों में होने वाले ऐसे सभी संशोधनों पर भी लागू हो जिनके कारण अविवाय स्वरूप से आव्वोधन करने पड़े।

4(3) वित्त मंत्रालय (आधिक कार्यविभाग) ठेके की एक प्रति के नाम ठेके के निर्णय का नोटिस संभेद के लिए भी इसी एक भेजेगा। आयात लाइसेंस की कोटी कापी और "प्राधिकार पत्र" जारी करने के लिए भावेदन की प्रति सहित ठेके के निर्णय के नोटिस भी ठेके की एक एक प्रति आधिक कार्यविभाग भारतीय दूतावास, टोकियो प्रौद सी. ए. ए. ए.ए.ए. के कार्यालय को भेजेगा।

खण्ड—5 विदेशी संभरकों को भुगतान साक्ष-पत्र दिया विधि

5(1) विदेशी मंत्रालय, आधिक कार्यविभाग से ठेके के निर्णय का नोटिस और ठेके के वित्तावेज प्राप्त होने पर सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक बैंक आफ इंडिया को टोकियो भाषा को सम्बोधित संलग्न अनुबन्ध—३ में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें बैंक आफ इंडिया की टोकियो बांच संबंध विदेशी संभरक के नाम में संलग्न अनुबन्ध—४ (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबन्ध—५ (सेवाओं के लिए) के प्रपत्र में एक अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलेगी। प्राधिकार पत्र की प्रतियां भी इसी एक भारतीय दूतावास, टोकियो भारत में प्रायातक के बैंक, आधिक कार्यविभाग जापान अनुभाग वित्त मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाएंगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर भारतीय बैंक, टोकियो अनुबन्ध—४ आयातों के लिए लागू होता है या अनुबन्ध—५ (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साखपत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आधिक सहयोग निधि (भी. ई. सी. ए.ए.), भारतीय दूतावास टोकियो भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक की भी भेजेगा।

सी. ए.ए. ए.ए.ए. से प्राधिकार पत्र के आधार पर साखपत्र खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संविता संशोधन या ग्रन्थयात्रा के लिए आधिकारक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र साखपत्रों के संशोधन पर स्वतः साधू होंगी।

5(3) माल की पोतलवाल करने के बाद विदेशी संभरक भागने वैंकरों के माध्यम से साखपत्र में उल्लिखित दस्तावेज बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा जो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि का विदेशी संभरक को उसके वैंकरों के माध्यम से रिहा करेगा और उसके बाद आयातों की साधत और धनराशि की प्रतिपूर्ति विदेशी आधिक सहयोग निधि से प्राप्त करेगा।

ठेका मूल्य के $1/10$ प्रतिशत के बराबर धनराशि प्राप्त होने पर विदेशी आधिक सहयोग निधि बचनबद्धता पत्र जारी करेगा।

5(4) साखपत्र खोलने, उसके अधीन लेनदेन करने के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय बैंकिंग प्रभार विदेशी संभरक के बैंकिंग प्रभार, यदि कोई हो, तो वे आयातक विदेशी संभरक द्वारा बहन किए जाएंगे। भी. ई. सी. ए.ए. ठेके के मूल्य के $1/10$ प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) मूल्य के बराबर धनराशि प्राप्त करने पर बचनबद्धता पत्र जारी करेगा। यह धनराशि भी. ई. सी. ए.ए. द्वारा स्वयं अनु/निधियों में चुकाई जाएगी।

भी. ई. भी. एक या सहायता लेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर, आयातक की बचनबद्धतापत्र के अर्चों के तुल्य धनराशि सरकारी लेखे में जमा करनी होगी। भी. ई. सी. ए.ए. भी. भुगतान की तिथि से बहुत जमा करने की तिथि तक (दोनों तिथियां शामिल करके) द्वारा भी प्रतिक्रिया दर पर आयातक द्वारा जुकाया जाएगा।

यामातक द्वारा प्रतिपूर्ति किया विधि के लहर ०.१ प्रतिशत का इसी प्रकार का खर्च जुकाया जाना है। आयातकों द्वारा आयातों के लागत के भुगतान की तिथि से भी इसी एक द्वारा विदेशी संभरक को आवधीनी की तिथि तक की आवधि के लिए गणना करके बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय द्वारा प्रभार का भारत सरकार के लेखे को प्रभावित किए जिन सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में संबंध आयातकों के बैंक द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को धन परेण्य करके भुगतान किया जाएगा।

5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि

आरतीय संभरकों से माल और सेवाओं की खरीद के लिए कहने की रकम, के संवितरण के लिए क्रियाविधि भूल समझीते से संबद्ध प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होगी।

खण्ड—6 रुपया निषेध करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को संगत प्राधिकार पत्र के परिवर्तन में सक्रियता अमुर आयात के प्राधिकृत बैंकर को पराक्राम्य पौत परिवहन वस्तावेज रिसाज होने से पहले, भारतीय रिजर्व बैंक, महि विल्नी या भारतीय स्टेट बूक, तोस हजारी विल्नी में रुपया निषेध कर दिया गया है। विदेशी संभरक को किए गए ये भुगतान के समतुल्य रूपये पर द्वाज प्रभार प्रथम 30 दिन के लिए 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष है, और आधिक प्रतिवर्ष के लिए 18% प्रतिवर्ष है, पर विदेशी संभरक का बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि तक का द्वितीय लगाकर द्वाज सार्वजनिक सूचना 3.1 भाई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-1983 के अनुसार मूल भुगतान के साथ द्वाज प्रभार भी सरकारी लेखे में जमा कराया है। यह भी नोट किया जाता चाहिए कि द्वाज क्षानों दिनों के लिए आधिक जिस दिन विदेशी संभरक भी भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी लेखे, में रुपया जमा किया जाता है देय है। देविए सार्वजनिक सूचना सं. 10.3—भाई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 12-10-76 31—भाई टी सी (पी एन) 93, दिनांक 10-8-1983 द्वारा संबोधित सूचना सं. 74 भाई टी सी (पी एन) 74, दिनांक 31-5-74

संभरक को किए जाने वाले भुगतानों की राशि और तारीख का सुनिश्चय करने के लिए आयातकों द्वारा प्रस्तुत के अवध्या करने की तारीख द्वारा विनियम भी वह मिश्रित दर होगी जो नार्वजनिक सूचना सं. 11.3—भाई टी सी (पी एन) 88—91, दिनांक 8-4-89 में सिर्फरित तरीके के अनुसार निश्चित भी. गई है अथवा जो मुद्रा नियंत्रक आयात नियात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से वा. भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा विनियम नियंत्रण परिवर्तों के माध्यम से भरकार द्वारा समय समय पर घोषित की गई हो।

इस संबंध में और द्वाज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा आविस्तरित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करना भारतीय रिजर्व बैंक की जिम्मेदारी होती है कि देय धनराशि आयातकों को आयात वस्तावेज सौनपे से पहले सरकारी खाते में टीक प्रकार से जमा कर दी है। आमिल को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि धनपते बैंकरों से इस्तावेज लेने से पहले सरकारी खाते में टीक प्रकार से जमा कर दी गई है। देय धनराशि सरकारी खाते में जमा कर दी गई है यह सुनिश्चित करने के लिए आयातकों की तब भी जिम्मेदारी होगी। जब वे विशेष परिवर्तियों के अंतर्गत सीमावृत्त प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो जागे में माल की सुपुर्दी प्राप्त करने।

यदि आयातक सरकार को देय धनराशि का भास भी सुपुर्दी नेने से पहले जमा नहीं करता तो जागे के लिए उसे प्राधिकार

पक्ष देना बन्द कर दिया जाए और गाम्लों की रिपोर्ट भुज्यामिंग्यक आपस-नियति को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को छागे और लाइसेंस जारी न किए जाएं। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त दस्यां निषेप किया जाएगा वह “के दिपाजिट्स एंड एडवांसिज-8443-लिविल दिपाजिट्स-डिपाजिट्स फार परवेजिज एट्सेट्रा अब्राह अंडर ब्रैड्स/लोनप्लैमेंट्स” लोन फोम वि. गवर्नरेंट अफ जापान 5, 410 विलियन येन क्रेडिट म. आईसीपी-64 फार दी भाषानी कट्टालाई बैरेज हाहाहो इलैक्ट्रिक प्रोजेक्ट (1) होना चाहिए।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ हैंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में चालान के ऊपर दाहिनी ओर बोर्ड में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए सरकार के खाते में इस संबंध में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं में यथानिष्ठारित तरीके से जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर भारत में आयातक का संबंध बैंक भी ऊपर निर्धारित तरीके से वह अतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मानी जाए। चालान के विभिन्न कालमों को भरते समय आयातकों को इन बात का सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई ई सी (पीएम)/71, विनांक 5-10-1971 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना चालान के कॉलम “धन परेवण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्यौदे” निरपवाद स्पष्ट करने चाहिए:—

(क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पक्ष की संख्या और दिनांक।

(ख) येन मुद्रा की वह धन राशि जिसके संबंध में अपवाहि गई परिवर्तन की दर के साथ निषेध किए जाते हैं।

(ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

उसके पश्चात् सी.ए.ए. एंड ए. द्वारा आई.किए.गए प्राधिकार पक्ष का संबंध देते हुए और भीजक तथा पोत प्रक्रियहत, वस्तावेजों को संलग्न करते हुए खजाना चालान रुपया जमा करने का साक्ष्य देते हुए पंजोकूल डाक द्वारा सी.ए.ए. एंड ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी:—भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उपयोग को निषेप भारतीय बैंक टोकियो से आयातकी की सूचना और पराक्राम्य पोतलदान वस्तावेज की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया गया है और यह कि उसके तत्काल बाव सी.ए.ए. एंड ए., वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को तथ्य से सूचित कर दिया गया है।

6(4) भारत में संबंध भारतीय बैंक को लाइसेंस की मुद्रा विनियम प्रति पर रुपया निधियों की धनराशि का पूछांकन करना चाहिए।

छंड—7 विविध अवस्थाएं

7(1) आयात लाइसेंस के उपयोग करने की रिपोर्ट—आयातक को पोतलदान और उसके अधीन किए गए भुगतान और रोप धनराशि के बारे में साक्षात्पक्ष खोलने के बाद एक मातिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, शी-विंग, ईया तस, जनपय भवन, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

7(2) संभरकों की विशेष शर्तों के बारे में सूचित करना—लाइसेंस-धारी के आयात लाइसेंस में शिए गए किसी उन विशेष उपर्युक्तों से संभरक को प्रवर्गन करा देना चाहिए जो भाव के लाने में संभरक परं प्रभाव डालते हों।

7(3) निवाद—यह सभर लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के शीघ्र यदि कोई विवाद तो उसके लिए अप्रकृत सज्जार कोई उत्तरादायित्व नहीं लेगी। भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले

संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबंध-2 में “भुगतान की शर्तें” के अंतर्गत अलगी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। यदिक्षा की शर्तें में विवाद को निपटने से संबंधित शर्तें शामिल होनी चाहिए।

7(4) भारी अनुदेश—आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ स्थें द्वाने बाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित या जापानी प्राधिकारियों के साथ येन रोड्हिट नमस्कीता (परियोजना सशायता) सं. आईसीपी-64 के प्रधीन सभी आमारां को विदेशी आर्थिक महयोग नियम जाप (ओहसीएफ) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर किए गए निवेशों या बादेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

7(5) अतिक्रमण या उल्लंघन—उपर्युक्त विशेषों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-नियम (नियन्त्रण) प्रधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

7(6) अनुबंधों की सूची—1. अनुबंध-1 पाल स्नोत वेशों की सूची।

2. अनुबंध-2 प्राधिकार पक्ष जारी करने के लिए अनुरोध।

3. अनुबंध-3 प्राधिकार पक्ष का प्रपल।

4. अनुबंध-4 साखपल का प्रपल। (आयातों के लिए लागू)।

5. अनुबंध-5 साखपल का प्रपल (सेवाओं के लिए लागू)।

उपांध-1

पाल व्योत वेशों की सूची

क. विकासशील वेश और क्षेत्र

(क-1) विवेश आर्थिक सहयोग से मिल विकासशील देश

1. आर्फीका, उत्तरी सहारा

मिश्र

मोरक्को

सुनीशिया

2. आर्फीका, वक्षिणी सहारा

ओगोसा

वेनिन

बोत्सवाना

बहूंडी

केमरोन

कैपवर्ड द्वीप

मल्य अफ्रीका गणसंघ

चाउ

कोमारो आश्लैण्ड

कोंगो, वाहामे का गणनक

इम्पेरिल गिनी (1)

इयोपिया

जाबिया

शाना

गिनी

आइबरी कोल्ड

देस्या

भेसांथो

लाइबेरीरिया

मालाया सी गणसंघ

मालावी

माला

मारिनिया, मारिशस

(1) कर्नार्डी पी-प्री द्वीप, जहिन स्ट्रेन गिनी का ग्रेशम।

मोजाविक

सेंट हेसला और डेप (2)
सानो टोमों और प्रिंसिपल

सेनेगल

सेप्पिलीज

सीवरे लिओम

सोमालिया

सूचाम

स्वाजीलिंग

टेरो, अक्सर और इसस

टोगो

युगांडा

तंजानिया गणतंत्र संघ

अपर बोल्टा

जाइरे गणतंत्र

जांमिया

3. अभरीका उत्तरी और केन्द्रीय

बहामास

बरबुजोल

बारबाकोस

बेलीज़

कोस्टारिका

क्यूबा

शामिनिका गणतंत्र

एच सल्वादोर

गुआतोम

गाटोनासा

हेटी

होंडुरस

जमैका

काराबिनिको

नार्विर

पुर्वगाली गिरी

रियूमियन

टोडेलिया

जांच्चा

मैक्सिको

नीदरलैण्ड एटीलीज़

मिकारागुआ

वनामा

सेंट रियरी और बिल्डूलोम

ट्रिनिडाड और टोबागो

(2) निम्नलिखित हीपों तहित: एस्कैपिशन फ्रिस्टेन डा इनएसेपियल्स, नाइटिलोग, गफ़।

(3) मुख्य द्वीप समूह, अफगान, औराकाश, अफूरकाशी, साहा सेंट।

3. अमेरिका उत्तरी और मध्य
वेस्टइंडीज़ (साथा) एन-वर्वार्ट,

(क) मह-संघर्ष राज्य (1)

(ब) ग्रामित (2)

4. दक्षिणी अमेरिका

ग्रॉटीना

बोलिविया

ब्राजील

ब्रिजी

कोलंम्बिया

बाग़ल कैच द्वीप समूह

कोस गिरी

गुआना

पराम्बे

पीर

सुरिनाम

उस्तु

5. अम्य पूर्वी एशिया

बहरीन

इजराइल

ओर्डेन

लेबनान

ओमान

सिरियाई अरब गणतंत्र

भूमाइटिंड अरब अमिरात (3)

यमन अरब गणतंत्र

यमन जनवाबी गणतंत्र (4)

6. दक्षिण एशिया

अफगानिस्तान

बंगलादेश

भूटान

बर्मा

आरत

आस्थ्रीय

नेपाल

पाकिस्तान

श्रीलंका

(1) मुख्य द्वीप एन्टिक, इमिनिका, प्रेनेडा, सेंट किट्स (सेंट किस्टोको) नावित-पंगुला, लेंसा पुसिमा और सेंट विंसेंट।

(2) बेन घाईसैंड, नोलतरस, सेमान मुक और काइकोस और ब्रिटिश द्वीप समूह।

(3) अजमन, बुदई, फुजीराह, रात अलचेमाह, गरजाह और अमजल क्वाइटान।

(4) अद्य और विभिन्न सल्तनत और भ्रातीरात सहित।

७. सुधरूपी देविया	सुधरूपी
बहुती	बहुती
मांग-कांग	मांग-कांग
जमेद गणतंत्र	जमेद गणतंत्र
कोरिया गणतंत्र	कोरिया गणतंत्र
लाकोस	लाकोस
मकानो	मकानो
मधेशिया	मधेशिया
फिलीपाइन	फिलीपाइन
विगापुर	विगापुर
नाइजीरिया	नाइजीरिया
आईनीज़	आईनीज़
तिमीर	तिमीर
वियतनाम गणतंत्र	वियतनाम गणतंत्र
वित्ताम जनवरी गणतंत्र	वित्ताम जनवरी गणतंत्र
८. भ्रोसिगिया	भ्रोसिगिया
कुक द्वीप समूह	कुक द्वीप समूह
फिजी	फिजी
गिलबर्ट और इलाइट द्वीप	गिलबर्ट और इलाइट द्वीप
फ़ारिस दोलिसेशिया (३)	फ़ारिस दोलिसेशिया (३)
नाक	नाक
न्यू कॉलंडोरिया	न्यू कॉलंडोरिया
प्यूरिसिस (प्र. थीर क.)	प्यूरिसिस (प्र. थीर क.)
नियु	नियु
पैसीफिक द्वीप समूह (संयुक्त राज्य) (६)	पैसीफिक द्वीप समूह (संयुक्त राज्य) (६)
पापुआ न्यू गिनी	पापुआ न्यू गिनी
सोलोमन द्वीप समूह (प.)	सोलोमन द्वीप समूह (प.)
टोमा	टोमा
आलिस और पूर्वाना	आलिस और पूर्वाना
प्रिंसिपी लान्चोआ	प्रिंसिपी लान्चोआ
बूरोप	बूरोप
ताइवान	ताइवान
जिम्बाल्टर	जिम्बाल्टर
ग्रीस	ग्रीस
माल्टी	माल्टी
स्पैन	स्पैन
तुकी	तुकी
बूथोस्ट्रालिया	बूथोस्ट्रालिया

(५) तोवाइटी आई लैम्ब्स समूह (ताहिती सहित) की शामिल करते हुए आस्ट्रेल प्रस्तुत द्वीप समूह, द्रगोनोद्यू-मिन्दनार द्वीप और भारतमूस से द्वीप समूह ।

(६.) पैसिपिक द्वीप का ट्रस्ट प्रदेश, कारोलीन द्वीप, नार्थल द्वीप समूह और पैरिन द्वीप समूह (गाना को छोड़कर) ।

(क-२) श्री.डी.ई.सी. के सहस्रों देश	श्री.डी.ई.ई.सी. के सहस्रों देश
भार्यादिवा	भार्यादिवा
लीबियाई भरव गणतंत्र	लीबियाई भरव गणतंत्र
मेडोन	मेडोन
नाइजीरिया	नाइजीरिया
एस्ट्रेलिया	एस्ट्रेलिया
इरान	इरान
इरान	इरान
कुवैत	कुवैत
कतार	कतार
भारती भरव	भारती भरव
भारूदामी	भारूदामी
इंडोनेशिया	इंडोनेशिया
—	—
भ्रो.डी.टी.डी. देश	भ्रो.डी.टी.डी. देश
भ्रास्ट्रेलिया	भ्रास्ट्रेलिया
बेलिजियम	बेलिजियम
कानाडा	कानाडा
ब्रेजिल	ब्रेजिल
किन्दूश	किन्दूश
कांस	कांस
कैरेब रिपब्लिक आफ जर्बी	कैरेब रिपब्लिक आफ जर्बी
प्रीत	प्रीत
नाइस लैंड	नाइस लैंड
चावर लैंड	चावर लैंड
इटली	इटली
जापान	जापान
लग्जस्ट्राई	लग्जस्ट्राई
मीक्सिन्ड	मीक्सिन्ड
भ्रूदीलैंड	भ्रूदीलैंड
तावे	तावे
पुर्तगाल	पुर्तगाल
स्लेन	स्लेन
स्लीड	स्लीड
स्लिटमर्लैंड	स्लिटमर्लैंड
टर्फी	टर्फी
इलैंड	इलैंड
संयुक्त राज्य अमेरिका	संयुक्त राज्य अमेरिका

भारतीय

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिये भारतीय

मंत्री

दिनांक

सेवा में

राज्यालय के लिये तथा लेका परीक्षा नियंत्रक,
विनांक संसालय, प्रार्थिक कार्य विभाग,
प. एस. बैंक विलेज, प्रथम मंजिल,
परियोजना मेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

विषय:—जापान से येन फ्रेडिर संभाया या आईडी पी (19)
के लिये परियोजना सहायता के अन्तर्गत

—को—को जायात्।

महोदय,

उपर उल्लिखित येन फ्रेडिर संभाया आईडी पी (परियोजना सहायता) के अधीन से—जायात के संबंध में—(बैंक का नाम) से—कि वही होना आहिये, जो नीचे (१) में सम्बद्ध विदेशी संभरक के माम साथ पत्र खोलने के लिये विधा गया है वे पत्र में प्राधिकार पत्र जारी करने के लिये हम आपको निम्नलिखित और प्रस्तुत करते हैं:—

- भारतीय जायात का नाम और पता।
- जायात लाइसेंस की मंजिल, विनांक और मूल्य और वह साथ पत्र जिस तक वैध है।
- प्रविधिप्राप्ति के तरीके—क्यों वह सीधे क्य पर प्राधारित हैं या औपचारिक खुली भवानीकृति निविदा पर आधारित हैं जिस मामले में कारणों सहित यह निर्दिष्ट करना चाहिये कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त तकनीकी उपयुक्त आकार के आधार पर लिया गया है। उत्तर वार्ताएं यदि कोई हो।
- माल का संक्षिप्त विवरण।
- माल का उदगम देश।
- पात्र से इतर भ्रोता देशों से जायातीत संघटकों की प्रतिक्रिया यदि कोई हो।
- संविदा का कुल जहाज पर्यन्त विभूक्त / जागत और भाषा मूल्य (येन में)।
- यदि कोई हो, तो भारतीय एजेन्ट के कमीशन की धनराशि (येन में)।
- वास्तविक जहाज पर्यन्त निःशुल्क/जागत और भाषा मूल्य (येन में) जिसके लिये प्राधिकार पत्र भागा गया है।
- विदेशों के संभरकों के साथ की गई संविदा की संभाया और दिनांक।
- विदेशी संभरक का नाम और पता तथा राष्ट्रीयता।
- वे भूगताम शर्तें और संभावित तिथियां विविकों संविदा के अन्तर्गत भूगताम देय होंगे।
- सुपुर्दी को पूर्ण करने की प्रस्तावित तिथि।
- बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भूगताम भरते समय प्रस्तुत किये जाने वाले वस्तावेज (प्रथम सेट की संख्या—प्रारंभिक उनका निपटान विचारते हुए)।

(४) पोतलदान इन्द्रेश, बाहनाम्तरण/पार्टिस्प्रेसेट की भूमति दी गई है या नहीं, निर्दिष्ट कीजिए।

(५) भारत में जायात के बैंक का नाम और पता।

(६) क्या उसी लाइसेंस के अन्तर्गत संविदा (संविवर्य) कर दी गई है और जापानी प्राधिकारियों को प्रविधिप्राप्ति कर दिया गया है यदि हाँ तो ऐसी प्रत्येक संविदा की संभाया, विनांक और मूल्य और विन मंसालय का वह संदर्भ जिसके अन्तर्गत आई.सी.एफ. को प्रविधिप्राप्ति किया गया है।

(७) क्या साथपत्र के संचालन और रख-रखाव के लिये बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय बैंक वर्चुअल जायात द्वारा या संघटकों द्वारा बहन किये जाने हैं।

(८) जायात द्वारा वर्जनबद्धता:

“हम एतद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और दर से विदेशी संभरकों को किये गये भूगताम के समतुल्य रूपों का पूरा और सही जमा करने का वचन देते हैं। प्रथम निषेप भाल (जायातीत सामग्री) की सुपुर्दी लेने से पूर्ण तकाल ही जमा करा दिया जायेगा। विदेशी संभरकों के संबंधित जाजक हमारे द्वारा भूमोक्षित होते ही और उनकी प्रवायी करते ही विदेशी राष्ट्रीयता की सेवाओं के लिये भूगतामों के मामले में निवेश कर दिये जायेंगे और संभरकों को भूगताम कर दिया जायेगा।”

उपाध्याय-३

(प्राधिकार पत्र का प्रपत्र)

सं.

वाणिज्य मंसालय

प्रार्थिक कार्य विभाग

नई विलासी विनांक

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,
टोकियो भाषा,
टोकियो (जापान)

विषय:—येन फ्रेडिर (परियोजना सहायता) शृण करार सं. आईडी पी के अधीन आयात। साथपत्र खोलने के लिये प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ विनांक—को किये गये समझौते की भासी के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न इमारों के भूमोक्षित मंसाले के नाम में—येन वर्जनराजि ने लिये अपरिवर्तनीय मात्रपत्र खोलने के लिये प्राधिकृत किया जाता है।

२. आपके बैंक द्वारा खोले गये प्रथमके साथपत्र की प्रति जायात के बैंक, जो ई सी एफ भारतीय इन्डिया, टोकियो और हमें पृष्ठांकित की जाए।

३. साथपत्र की जर्ती के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भूगताम भागी लिखि से किया जायेगा। आप श्री ई सी एफ को मात्रपत्र वस्तावेज (विनिमय), प्रतिरक्षित पूर्ण वस्तावेजों के सेट के साथ तथा संभरक को की गई जायातीयी को शामें यात्राएं की भूगताम तत्काल करें। तत्काल जायातीयी यदि कोई नहीं हो तो उनकी की भूगताम करें।

४. विदेशी संभरकों को जायातीयी करते समय आपको द्वारा—(जायात के नाम के पत्रों) भूल पोतलदान वस्तावेज (विनिमय), प्रतिरक्षित पूर्ण वस्तावेजों के सेट के साथ तथा संभरक को की गई जायातीयी को शामें यात्राएं की भूगताम तत्काल करें। तत्काल जायातीयी यदि कोई नहीं हो तो उनकी की भूगताम करें।

5. संभरक को आपके द्वारा किये गये भुगतान की तिथि से ओर ईसी एक द्वारा आपको उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय में लिये आपको चुकाये जाने योग्य व्याज प्रभार भारत सरकार के लेखे पर प्रभार डाले विना सामान्य बैंकिंग सूत्रों के माध्यम से भारत में संबंधित आयातक के बैंक के साथ आपके द्वारा निर्दित किये जायेंगे। बैंकों द्वारा अन्य खर्चों जिसमें साखपत्र खोलने, रबर-रबाव करने और साखपत्रों के संचालन और सीदा संबंधी दस्तावेजों के संचालन से संबंधित और यदि कोई हो, तो विदेशी संभरकों के बैंक के खर्च भी विदेशी संभरक/आयातक को ही देने पड़ेंगे और इसलिये उन्हें सूचित ही संभरक/आयातक से प्राप्त किया जाय। इस प्रकार के भुगतानों की प्रतिपूर्ति का दावा ओर ईसी एक से नहीं किया जायेगा।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाये और उसको प्रतिपूर्ति आपको कर दो जाये तो उसका सूचना निर्दित पत्र में इस संबंधित को भेज दो जाने चाहिये।

7. यह प्राधिकार पत्र विदेशी संभरकों के नाम में साखपत्र खोलने के लिये है। साखपत्र में बाद में किये जाने वाले संशोधन या प्राधिकार पत्र के मद्देन भविष्य में साखपत्र इस संबंधित से विशेष प्राधिकार प्राप्त किये विना बैंक नहीं होंगे।

8. यह प्राधिकार पत्र-----तक दैध रहेगा।

9. कृपया इस करतर से संबंधित सभी पत्राचार और भुगतान का उल्लेख करने वाले सूचना पत्र में इस अनुदेश पत्र के शार्ष पर दो गई संख्या का उल्लेख करें।

भवद्वय,
(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :

1. आयातक-----को उसके पत्र सं-----दिनांक के-----के संदर्भ में।

उनसे अनुरोध है कि बैंकरों से विनिमय दस्तावेजों की डिजिटरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकरों के माध्यम से रुपया निक्षेप आदि जमा कराने का प्रबन्ध करें। यदि विशेष परिस्थितियों के कारण निक्षेप की डिलोवरी साधे ही सीमाशुल्क और पत्रन प्राधिकारियों से मूल पोतलदान दस्तावेज भेजे विना ही प्राप्त कर ली गई हो तो डिजिटरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किये जाने चाहिये। विदेशी राष्ट्रोंकों द्वारा दी गई सेवाओं के लिये भुगतान के मामलों में जैसे ही सम्बद्ध बीजक भुगतान के लिये अनुमोदित हो जायें, निक्षेप कर दिये जायें। निक्षेप जद्दों ही और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में यथा उल्लिखित आवश्यक कार्यवाही की जा सकती है।

2. आयातक के बैंकर----- (1) यह आयात लाइसेंस संख्या-----दिनांक-----विनांक-----के संदर्भ में है। यह प्राधिकार पत्र येन क्रेडिट के अन्तर्गत आयातों को शामिल करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया गया है। लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं को देखे और आयातक/विदेशी भुगतान करते समय उचित कार्रवाई वरें।

(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो बैंक से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरकों को येन भुगतान के बराबर रुपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 113-आईटी सी (पी एन)/88-91, दिनांक 6-4-89 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाये के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि की यथा प्रत्यक्षित परिवर्तन की निश्चित दर पर की जायेगी। प्रथम 30 दिनों के लिये 12% वार्षिक दर से और

इससे अधिक अवधि के लिये 18% वार्षिक दर से व्याज जो कि संभरकर को भुगतान की तारीख/बैंक आफ इंडिया को प्रतिपूर्ति की तारीख और जिस तारीख को समतुल्य रुपया भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाये उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिये संगणित करके उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. 3-आईटी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखे में जमा कराता है। व्याज दोनों दिनों के लिये देय है अर्थात् वह तारीख जितको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और यह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखे में स्थाया जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाये उसे सूचित कर दिया जायेगा)। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिये कि आयातक की सीमाशुल्क तिकासी के लिये आयात दस्तावेजों को मूल सैट दिये जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जाती है।

(3) वे धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में चालान के दाहिनी ओर कोड सं. 5130000009 दर्शाते हुए जमा करने चाहिए। इस संबंध में उनका धनात सार्वजनिक सूचना सं. 184-आईटी सी (पी एन)/68, दिनांक 30-8-68 तथा 233-आईटोसी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-68, 132-आईटोसी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 संख्या 74-आईटी सी (पी एन)/74, दिनांक 3-5-74 तथा 103-आईटी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दिये गये प्रावधानों की ओर दिलाया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें स्थाया जमा कराना है “के डिपोजिस एण्ड एड्रेसेज-8443-सिविल डिपोजिस, डिपोजिस फार परवेजिज एटेस्ट्रा अवरोड अण्डर परवेजिज क्रेडिट/लोन एप्रिमेंट्स” लोन फार दी गवर्नमेंट आफ जापान 5. 410 विलियन येन-क्रेडिट (प्रोजेक्ट एड) नम्बर आईटोसी 64 फार 1989-90.

(4) जिन मामलों में तुल्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी दिल्ली में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आईटी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाये उन मामलों में चालान की मूल रूप में एक प्रतिलिपि उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजना चाहिये, जिसके साथ बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देते हुए एक अप्रेषण पत्र होना चाहिये।

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक
वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्यविभाग), (बो-विंग)
जनपथ भवन, 5वां तल,
जनपथ, नई दिल्ली।

5. जिन मामलों में तुल्य रुपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हूण्डी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचना उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिये। सभी मामलों में जमा किय गये तुल्य रुपये का पूरा ब्यौरा इस विभाग को भेजना चाहिये।

(6) संभरक को भुगतान करने को तिथि और ओर ईसी एक द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो का देय व्याज प्रभार, बैंक आफ इंडिया, टोकियो को उसकी आदायगी की तिथि के बीच की अवधि के लिये बैंक आफ इंडिया, टोकियो का देय व्याज प्रभार बैंक सूत्रों के माध्यम से भारत सरकार के लेखे पर प्रभार डाले विना बैंक आफ इंडिया, टोकियो के साथ आप के द्वारा सावे निपटाए जायेंगे।

(7) संभरक को को जाने वाली प्रत्येक आदायगी, मूल प्रेषण (चाहे वह वाणिज्यक बैंक, बैंक गारंटी, कार्य निपादन गारंटी, पोतपरिवहन इत्यादि के लेन-देन संबंधी सैट हो क्यों न हो) को उपर्युक्त (2) और (3) पर कार्यवाही न की जाये तो आयातक को उहाँसे रिलीज न किया जाये।

(8) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत वितरक के रूप में बैंक के कर्तव्यों और जिम्मेवालियों को भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न ए.डी. परिवर्तनों में निर्धारित किया गया है। इस संबंध में 18-6-77 के ए.डी. परिवर्तन सं. 22 के विशेष संदर्भ की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

(9) इस पत्र की पावती भेजी जाये और भावी पत्राचार में संदर्भ इत्यादि को दर्शाया जाये।

3. निवेशक, ज्ञान विभाग-2 विवेशी सहयोग निधि टाकेवासी गोद्दे बिल्डिंग 4-1 ओहटेमासी-1 को, चियोडा कु. टोकियो 100, जापान।

4. भारताय बूतावास, टोकियो।

5. अवर सचिव, जापान भ्रम्भाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

भेद्या अधिकारा

उपायकारी-4

प्रपत्र श्रो. ई. सी. एफ. एल. शी. -1

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(माल के लिये भागू)

दिनांक

देश में

यह साखपत्र (ज्ञानी) और विवेशी सहयोग निधि के बीच हुए ज्ञान करार सं— दिनांक — के अनुमति में जारी किया गया है।

महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम में भेजे गये प्रापके पूरे बीजक मूल्य के लिये प्रापके साइट ड्राफ्टों द्वारा उपलब्ध एकम या एकमात्र के लिये उम्मेद आपके पक्ष में अपरिवर्तनीय साखपत्र सं— खोल दिया है जो — (प्रश्नात् येन) की कुल धनराशि से अधिक नहीं जिसके साथ निम्नलिखित दस्तावेजों होने चाहिये—

हस्ताक्षरित पूर्ण बाणिजिक भीजक, पौत्र परिवहन नियन्त्रण लदान विल जिसमें दिये गये आदेशों का पूरा सेट हो, और पृष्ठाकृत एवं विविहत “केट एवं नोटिफाईड” अंकित किये हुए प्रम्य दस्तावेज।

जिन में पोतलवान, (माल के लदान का संक्षिप्त विवरण) को प्रमाणित करते हुए संचिता सं— (यदि कोई हो) के संबंध में — से — तक आंशिक पोतलवान स्वीकृत है। बाहनांतरण होना चाहिये। लदान विल — के बाद की तिथि का नहीं होना चाहिये। ड्राफ्ट — तक लेन-देन के लिये प्रवर्य प्रस्तुत किये जाने चाहिये। इस ज्ञान के अन्तर्गत सभी ड्राफ्ट तथा दस्तावेजों पर “अपरिवर्तनीय साखपत्र सं— दिनांक — के अन्तर्गत आहरण किया गया और आयात संदर्भ सं— संख्याएं, यदि कोई हो) अंकित होना चाहिये।

यह ऋडिट हस्तांतरण नहीं है।

हम एवं द्वारा वचन देते हैं कि इस ऋडिट के अन्तर्गत और हस्ती जातों के अनुपालन में हमारे नाम में भेजे गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशों को दस्तावेजों की सुरुदर्गी पर विधिवत् स्वीकार किए जायेंगे।

जब तक अधिकारा रूप से उल्लेख न किया जाये यह ऋडिट “यूनिफार्म कस्टम एण्ड ब्रैकिट्स फार डाक्युमेंटरी ईडिट्स (1974 रिलीजन) इण्टरनेशनल चैम्पर ग्राफ कामर्स बोर्ड नं. 290” के अधीन है।

लेन-देन करने वाले बैंक के लिये विशेष भ्रम्भेश।

1. उपर्युक्त ऋण करार के अन्तर्गत विवेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा जारी किये गये वचनबद्धता पत्र की अवस्थाओं के अनुसार विवेशी आर्थिक सहयोग निधि से अपने भुगतान के लिये प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाबत हम वचन देते हैं कि हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किये गये अनुवेशों के अनुसार ड्राफ्टों की धनराशि को लौटा देंगे।

2. लेन-देन करने वाले बैंक को यह बताते हुए हमें ड्राफ्ट और दस्तावेजों का एक पूर्ण सेट और उसके सथ एक प्रमाणपत्र अवश्य भेजना चाहिये कि यों दस्तावेज सीधे ही हवाई डाक द्वारा ————— को भेज दिये गये हैं।

3. इस ऋडिट के अन्तर्गत सभी बैंक के बार्चे आयातक संभरक के बाते से देय हैं।

भवदीय,

()

बाणिजिक बैंक

द्वारा :

प्राधिकृत हस्ताक्षर

उपायकारी-5

प्रपत्र श्रो. ई. सी. एफ. एल-2

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(मेवाओं के लिये भागू)

दिनांक :

सेवा में,

यह साखपत्र (ज्ञानी) और विवेशी

आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए ज्ञान करार सं—

दिनांक

के अनुमति में जारी किया गया है।

(संभरक का नाम और पता)

प्रिय महोदय,

हम आपको मूचित करते हैं कि हमारे नाम आ कर पूर्ण उल्लिखित मूल्य के लिये हिताधिकारी के ड्राफ्ट एट साइट द्वारा उपलब्ध एकम जिसकी कुल धनराशि — (वेन से अधिक नहीं है), के लिये खोल दिया है।

इसमें इसके सापे संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित परियोजना के संबंध में डेका सं— से संबंधित दस्तावेज होने चाहिये। लेन-देन के लिये ड्राफ्ट — से पहले प्रस्तुत किये जाने चाहिये।

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेजों पर “अपरिवर्तनीय ऋडिट सं— के अन्तर्गत ड्राफ्ट” लिखा होना चाहिये।

यह ऋडिट हस्तांतरण नहीं है।

हम एवं द्वारा वचन देते हैं कि इस ऋडिट के अन्तर्गत इसकी जातों का अनुपालन करके सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशों को दस्तावेजों की सुरुदर्गी पर विधिवत् स्वीकार किये जायेंगे।

जब तक अधिकारा रूप से विस्तारपूर्वक उल्लेख न किया जाये यह ऋडिट “यूनिफार्म कस्टम एण्ड ब्रैकिट्स फार डाक्युमेंटरी ईडिट्स (1974 रिलीजन) इण्टरनेशनल चैम्पर ग्राफ कामर्स बोर्ड नं. 290” के अधीन है।

सेन-देन करते थाले बैंक को विशेष अनुदेश :

1. इसमें संलग्न पत्र के अनुसार (अहणी और इसके मनोनीत प्रधिकारी) द्वारा जारी किये गये निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पश्चात इस शीट के अन्तर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान अनुमूली के अनुसार किये जाने चाहिए। प्रारम्भिक भुगतानों में मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण भी बाजे हिताधिकारी का विवरण अद्यतित है।

2. कपर उल्लिखित अण गमधीते के प्रधीन जारी किये गये वचनबद्धता पत्र के उपबन्धों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से भुगतान के लिये प्रतिपूर्ति प्राप्त करते के बाद हम सेन-देन करते थाले बैंक द्वारा जारी किये गये अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की राशि परेशित करने का वचन देते हैं।

3. उपर्युक्त मद 1 में यथाउल्लिखित दस्तावेजों की एक प्रति और ड्राफ्ट उनकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही हमें भेजे जायेंगे।

4. इस सांख्यिक के अन्तर्गत बैंक के सभी खर्च आवासक/मंभरकों के प्राप्ति में देय है।

भवद्वीय,

वाणिजिक बैंक

द्वारा

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान अनुमूली

यह भुगतान अनुमूली हमारे साथपत्र [संख्या] का एक अधिकृत अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि ————— येत जो मूल संविदा मूल्य का ————— प्रतिशत है। प्रपेक्षित दस्तावेज ————— हिताधिकारी का विवरण प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख :

2. भुगतान प्रमाण

सम्पूर्ण योग : धनराशि ————— येत जो कुल संविदा का मूल्य ————— प्रतिशत है जिसका भुगतान निम्न प्रकार से किया जाना है :—

देय धनराशि

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

पहली किस्त, येत

दूसरी किस्त, येत

प्रपेक्षित दस्तावेज :

(अहण अध्यवा उसके मनोनीत प्रधिकारी) द्वारा जारी किये गये निष्पादित के विवरण की एक प्रति जिसका एक प्राप्त मंलग्न है।

निष्पादन का विवरण

दिनांक

मंदर्व

सेवा में

—————

—————

(संभरक का नाम और पता)

मंदर्व : अण करार सं. ————— के अन्तर्गत ————— परियोजना से मंदर्वित ————— के नाम के ————— येत के लिये ————— द्वारा जारी किए सांख्यिक की सं. ————— दिनांक ————— (अहणी) का प्रतिनिधित्व करते हुए में प्रधोहस्ताक्षरी, और ————— के बीच संविदा सं. ————— दिनांक ————— में निष्पादित भुगतान की शर्तों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा ————— (येत की धनराशि) ————— येत मात्र प्राप्त करने के लिये प्रधिकृत करने के लिये निष्पादन विवरण जारी करता है।

(अहणी)

द्वारा

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेश :

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें मंलग्न पत्र में वर्णिया जायेगा।

भुगतान शर्तें

यह भुगतान शर्तें हमारे साथपत्र सं. ————— एक अधिकृत अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि ————— येत कुल संविदा का मूल्य का ————— प्रतिशत है।

प्रोक्षित दस्तावेज :

अंतिम भुगतान तिथि :

2. मध्यस्थ भुगतान (यदि कोई हो)

धनराशि ————— येत कुल संविदा मूल्य का ————— प्रतिशत है।

प्रपेक्षित दस्तावेज :

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :

3. पोत परिवहन दस्तावेजों के मध्य भुगतान

धनराशि ————— येत कुल संविदा मूल्य का ————— प्रतिशत है।

टिप्पणी : यह मंलग्न शीट पोत परिवहन दस्तावेजों के मध्य पूर्ण भुगतान के मामलों में प्रपेक्षित नहीं है।

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 176-ITC(PN)/90-93

New Delhi, the 11th July, 1991

Subject.—Licensing conditions in respect of equipment and services under the Yen Credit loan No. ID-p. 64 dated 27-3-1990 for Yen 5,410 billion for the Bhavani Kattalai Barrage Hydro Electric Project (I) of TNEB extended by the OECF of Japan—Japan.

File No. IPC/23(73)/90-93.—The terms and conditions governing the licensing conditions for import of equipment and services under the yen credit loan No. ID-p.64 dated 27-3-1990 for Yen 5,410 billion for the Bhavani Kattalai Barrage Hydro Electric Project (I) of TNEB extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan, are contained in the appendix to this Public Notice and are notified for information.

D. R. MEHTA, Chief Controller
of Imports and Exports

**APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE
PUBLIC NOTICE NO. 176-ITC(PN)/90-93, dated 11-7-91**

**LICENSING CONDITIONS IN RESPECT OF IMPORT
OF EQUIPMENT AND SERVICES UNDER THE YEN
CREDIT LOAN NO. ID-p. 64 DATED 27-3-90 FOR YEN
5,410 BILLION FOR THE BHAVANI KATTALAI BAR-
RAGE HYDRO ELECTRIC PROJECT (I) OF TNEB
EXTENDED BY THE OVERSEAS ECONOMIC COOPE-
RATION FUND (OECF) OF JAPAN**

Section I-General Conditions

I (i) The Yen Credit of Yen 5,410 Billion extended by the overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Bhavani Kattalai Hydro Electric Project (I) of TNEB is untied in favour of Japan, developing countries (including India) and all member countries of OECF. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD/CG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 5,951 billion (C).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)/74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-p. 64". The first and second suffix to the licence code will be "S/JC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to TNEB a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section).

I (iii) Import licence(s) can be issued only in favour of Tamil Nadu Electricity Board on CIF basis.

I (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 5,951 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I (v) The extension of the validity of the import licence, may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh import licence may be referred to the Department of External Affairs (Japan Section).

I (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (viii) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm orders" means purchases orders placed by the Indian Licensee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I(viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will be authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payments on cash i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :

Letter of Credit but to be completed latest by the end of In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-10-94.

Section II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II (i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance

with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million Yen,

(i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

(ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for review and concurrence. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the tender documents etc. will also be submitted to OECF for its reference.

(b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of OECF is not required for award of contract. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.

(c) Consultants shall be employed in accordance with OECF Guidelines for Employment of Consultants. But prior approval of OECF shall be obtained to the following documents :—

(1) Terms of Reference

(2) Short List of Consultants

(3) Letter of Invitation

(4) Evaluation Report including Summary Evaluation Sheet.

(d) The application/documents mentioned in (a)(i), (a)(ii), (b) and (c) above will be submitted by the importer to Department of External Affairs, in duplicate, for submission to OECF.

II(iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-p. 64 for 1989-90 the details of which are given in Section VII below.

II(iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II(v) Eligibility of Supplier

The Supplier shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and which have their appropriate facilities for producing or providing the goods and services in the Eligible Source Countries and actually conduct their business there.

II(vi) Permissible imports from non-eligible source countries

Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than fifty per cent (50%) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae :

IMPORTED CIF PRICE + Import Duty $\times 100$

Supplier's FOB Price

(in case of Indian Supplier, Ex-factory Price shall be adopted)

II(vii) Declaration in Contract

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in _____ (name of eligible source country).

I the undersigned, further certify that to the best of my information and belief the portion imported from the non-eligible source countries is less than fifty per cent (50%) in accordance with the following formula :

IMPORTED CIF Price + Import Duty $\times 100$

Supplier's FOB Price

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that _____ (Name of company) has been incorporated and registered in _____ (name of eligible source country), has its appropriate facilities for producing or providing the goods and services (name of eligible source country) and actually conducts its business there.

Section III—Conditions to be incorporated in the supply Contracts

III(i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

(a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 27th March, 1990 concerning the Yen Credit No. ID-p. 64 (Project Aid) for the Bhavani Kattalai Barrage Hydro Electric Project (I).

(b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-p. 64 dated 27-3-90 between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

(c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.

(d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II(vii) above.

(e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six months in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV—Review of Contract by OECF IV(i) within stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete

in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV(ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) will send Notice of conclusion of Contract along-with a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice of Conclusion of Contract accompanied by the contract will also be sent by Department of Economic Affairs to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A alongwith one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

Section V—Payment to the Overseas supplier-Letter of Credit Procedure.

V(i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs. The CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V(ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the Overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V(iii) The overseas supplier shall, after affecting shipment of goods present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo which will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt of an amount equal to one tenth per cent.

V(iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importer/overseas supply. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth per cent (0.1%) the contract value. This amount will be paid to from the loan the contract value. This amount will be paid the loan/funds by OECF.

The importer is required to deposit into the Government of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1% is payable by the importer under the reimbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank of India by remittance to the Bank of India Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V(v) Reimbursement Procedure

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE attached to the loan agreement.

Section VI—Responsibility for rupee deposit

VI(i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or S.B.I. Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee equivalents of the Yen payments calculated at the rate prevailing from time to time, the present rate being 12% per annum for the first 30 days and @ 18% per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-76 and Public Notice 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 113-ITC(PN)/88-91 dated 6-4-89 or as may be notified by Government from time to time through public Notices of the CCI&E or through Exchange Control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure, that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further LAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-8443 Civil Deposits—Deposits for purchase etc, abroad-Purchase under credits/Loan Agreements" Loans from the Government of Japan 5.41 Billion Yen Credit No. ID-8-64 for the Bhavani Kattala Barrage Hydro Electric Project (I).

VI(ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices issued from time to time in this regard.

VI(iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic

Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-IIC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority if any" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans :—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note :—Importer's Bank in India should ensure that the rupees deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI(iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VIII—Miscellaneous Provisions

VIII (i) Reports on utilisation of the import licence.—The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, B-Wing, 5th Floor, Janpath Bhawan, New Delhi.

VIII (ii) Notifying Suppliers of Special conditions.—The licencees should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may effect the suppliers in carrying out the transaction.

VIII (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India, will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licence and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India Tokyo must be clearly spelt out by the Importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VIII (iv) Future Instructions

The licencee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P 64 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

VIII (v) Breach or violation

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VIII (vi) List of Annexures :

Annexure—I—List of eligible source countries.

Annexure-II—Request for issue of Letter of Authority.

Annexure-III—Form of Letter of Authority.

Annexure-IV—Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure-V—Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

ANNEXURE I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt
Morocco
Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola
Benin
Botswana
Burundi
Cameroon
Cape Verde Islands
Central African Rep.
Chad
Comoro Islands
Congo, People's Republic of
Dahomey
Equatorial Guinea (1)
Ethiopia
Gambia
Ghana
Guinea
Ivory Coast
Kenya
Lesotho
Liberia
Malagasy Republic
Malawi
Mali
Mauritania, Mauritius
Mozambique
Niger
Portuguese Guinea
Reunion
Rhodesia
Rwanda
St. Helena and dep (2)
Sao Tome and Principe
Senegal
Seychelles
Sierra Leone
Somalia
Sudan
Swaziland
Terror, Afars and Issas
Togo
Uganda
Un. Rep. of Tanzania
Upper Volta
Zaire Republic
Zambia

(1) Formerly the territory of Spanish Guiana including the island of Fernando PO.

(2) Including the following islands: Tristan da Inac-
cespible Nigntingle.

III. AMERICA, North and Cont.

Bahamas
Barbados
Belize
Bermuda
Costa Rica
Cuba
Dominican Republic
El Salvador
Guadeloupe
Guatemala
Haiti
Honduras
Jamaica
Martinique
Mexico
Netherlands Antilles
Nicaragua
Panama
St. Pierre & Miquelon
Trinidad
and Tobago

(3) Main islands, Aruba, Bonaire, Cur.

III. AMERICA, North & Central

West Indies (Br. n.e.)
(a) Associated States (1)
(b) Dependencies (2)

IV. AMERICA, South

Argentina
Bolivia
Brazil
Chile
Colombia
Falkland Islands
French Guiana
Guyana
Paraguay
Peru
Surinam
Uruguay

V. ASIA, Middle East

Bahrain
Israel
Jordan
Lebanon
Oman
Syrian Arab Republic
United Arab Emirates (3)
Yemen Arab Republic
Yemen, People's D.R. (4)

VI. ASIA, South

Afghanistan
Bangladesh

1. Main Islands : Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Christophe), Nevis, Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.
2. Main Island : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.
3. Ajman, Dubai, Fugairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quaiwain.
4. Including Aden and various sultanes and emirates.

Bhutan
Burma
India
Maldives
Nepal
Pakistan
Sri Lanka

VII. ASIA, Far East

Brunei
Hong Kong
Khmer Republic
Korea, Republic of
Laos
Macao
Malaysia
Philippines;
Singapore
Taiwan
Thailand
Timor
Viet-Nam, Rep. of
Viet-Nam, Dem. Rep.

VIII. OCEANIA

Cook Islands
Fiji
Gilbert & Ellice Is.
French Polynesia (5)
Nauru
New Caledonia
New Hebrides (Br. and Fr.)
Niue
Pacific Islands (US) (6)
Papua New Guinea
Solomon Islands (Br.)
Tonga
Wallis and Futuna
Western Samoa

IX. EUROPE

Cyprus
Gibraltar
Greece
Malta
Spain
Turkey
Yugoslavia

5. Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.

6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands, Marshall Islands, and Micronesia Islands (except Guam.)

(a2) Member of Association Countries of OPEC

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia

Abu Dhabi	(i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
Indonesia	(j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
B. OECD Countries	(k) Name and address and nationality of the Overseas Supplier.
Australia	(l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
Belgium	(m) Expected date of completion of deliveries.
Canada	(n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
Denmark	(o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
Finland	(p) Name and address of the importer's bank in India
France	(q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No. date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
The Federal Republic of Germany	(r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the importers or Supplier.
Greece	(s) Undertaking by the importer :—
Iceland	"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers."
Ireland	
Italy	
Japan	
Luxembourg	
The Netherlands	
New Zealand	
Norway	
Portugal	
Spain	
Sweden	
Switzerland	
Turkey	
U.K.	
U.S.A.	

ANNEXURE-II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No. Dated :

To.

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi-110001.

Sub : Import of Yen Credit No. ID-P from Japan under the (Project Aid for 1989-90).

Sir,

In connection with the import of from under the above mentioned Yen Credit No. ID-P (Project Aid) we furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the (name of the Bank) which should be the same as given in (b) below for opening a letter of credit in favour of the overseas supplier concerned.

- Name and Address of the Indian importer
- Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- Method of procurement—whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- Brief description of the goods.
- Origin of the goods
- Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- Gross FOB/C&F value of the contract (in Yen)
- Amount of Indian agents Commission (in Yen), if any.

- Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- Number and date of the contract with overseas suppliers.
- Name and address and nationality of the Overseas Supplier.
- Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- Expected date of completion of deliveries.
- Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
- Name and address of the importer's bank in India
- Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No. date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the importers or Supplier.

(s) Undertaking by the importer :—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers."

ANNEXURE-III

(Letter of Authority Form)

No. F.

Government of India
MINISTRY OF FINANCE
Department of Economic Affairs
New Delhi, the 12th July 1991

To,

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan).

Subject.—Import under Yen Credit (Project Aid) Loan Agreement No. ID-P Issue of Letter of Authority for opening Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated entered into with your Bank you are hereby authorised to open irrevocable letter of credit for an amount not exceeding Yen favouring M/s. as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF, Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to _____ (Name & address of importer's Banker) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier|Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier|Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto—

9. Please quote the number given at the top of this letter of instruction in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment.

Yours faithfully,
(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importer with reference to their letter No. dated

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. Importers Banker.(i)—This has reference to import licence No. _____ dt.

This letter of authorisation issued under the relevant Licensing conditions governing the imports under Yen credit. The Licensing conditions and connected Public Notice|order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import|foreign payments.

2(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Overseas suppliers in accordance with the Public Notices No. 113-ITC

(PN)|88-91 dated 6-4-89 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @12% per annum for the first 30 days and at the rate of 18% per annum for the period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier|date of reimbursement to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Govt. account is also required to be deposited into Govt. of India account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)|83 dated 10-8-83. The interest is payable for both days i.e. the day on which payment is made to the Overseas supplier and also the date on which rupee deposit is made into Govt. account (Any change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN)|68 dated 30-8-68, 233-ITC(PN)|68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)|71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)|74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)|76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances—8443—Civil Deposits—Deposit for purchases etc. abroad under Purchases under Credit|Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan 5,410 billion Yen Credit (Project aid) No. 1D-P.64 dated 27-3-90.

(iv) One copy of the challan in original in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)|71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), B-Wing, 5th Floor, Janpath Bhavan, Janpath, New Delhi.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

(vi) Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

(vii) For each payment made to the supplier, the original documents (whether commercial invoice, bank guarantees, performance guarantees, negotiable sets of shipping documents etc.) should not be released to the importer till action as at (ii) and (iii) above has been taken.

(viii) The Bank's duties and responsibilities as authorised dealer in Foreign Exchange are prescribed in various A.D. circulars of the Reserve Bank of India. Specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22 dt. 18-6-77.

(ix) The receipt of this communication may be acknowledged and reference etc. for future correspondence may be indicated.

3. The Director Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund Takebashi Godo Building, 4-1, Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

(Accounts Officer)

ANNEXURE-IV
FORM OECF-LC I

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for goods)

New Delhi the 12th July, 1991

To _____ This letter of Credit has been issued pursuant to Loan

Agreement No. _____

Dated

between (Borrower) and the Overseas Economic Cooperation Fund.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of _____ for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Yen (Say Yen _____)

available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" Other documents.

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. _____) (if any) from _____ To _____ partial shipments are permitted. Transhipment is _____ permitted. Bills of lading must be dated not later than _____ Drafts must be presented for negotiation not later than _____ All Drafts and documents under this credit must be marked "Drawn under _____ irrevocable credit No. _____ and Import Reference No.(s) _____ (if any). This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank :

1. After obtaining the reimbursement for our payments from The Overseas Economic Cooperation Fund in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.

2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to _____

3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By : Authorized Signature

ANNEXURE-V
FORM OECF-LC II

Irrevocable letter of Credit

(Applicable for services)

To _____

Date:

This Letter of Credit has been issued pursuant to Loan

Agreement No. _____
(Name and address of the Supplier)

dated

between (Borrower) and
**THE OVERSEAS ECONOMIC
COOPERATION FUND**

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Yen (Say Yen _____) available by beneficiary's drafts at sight for full statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. _____ with regard to Project). Drafts must be presented for negotiation not later than.

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. _____"

This credit is not transferable

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of document to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank:

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.

2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake no remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.

3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.

4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By : (Authorized Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No. _____

I. Initial Payments

Amount Yen— _____
being _____ % of the total contract price.

Required documents: beneficiary's Statement Latest presentation date.

II. Progress Payment

Aggregate amount : Yen— _____
being % of the total contract price to be paid as follows :

Amount due	Latest presentation
-----	-----

1st Instalment : Yen— _____

2nd Instalment Yen— _____

Required documents: A copy of Statement of Performance issued by (borrower or its designated authority) a form of which is attached hereto.

Statement of Performance

Date	Ref. No.
------	----------

To _____

(Name and address of the Supplier)

Re: Letter of Credit No. _____ dated _____ issued by _____ for Yen— _____ in favour of concerning _____ Project under Loan Agreement No. _____

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle _____ to receive the sum of Yen— _____ (Yen _____ only) from the THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the payment Terms stipulated in the Contract No. _____ dated _____ between _____ and _____

(Borrower)

By _____

(Authorized Signature)

Special Instructions :

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our Letter of Credit No. _____

I. Initial Payment

Amount Yen— _____ being _____ % of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

II. Intermediate Payment (if any)

Amount : Yen— _____ being _____ % of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

III. Payment against Shipping Documents

Amount Yen— _____ being _____ % of the total contract price.

Note : This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.